शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

मध्यावधि परीक्षा अभ्यास प्रश्न पत्र (2025-26)

कक्षा XII

हिंदी (ऐच्छिक) (002)

अवधि: 3 घंटे **अधिकतम अंक-80**

<u>सामान्य निर्देश</u>:-

- **इस प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं - खंड- क, ख और ग।**
- **दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
- **तीनों खंडों के कुल 13 प्रश्न हैं। तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
- **यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।**

प्रश्न संख्या **खंड 'क'** **अंक**

(अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

भारतीय कला में लोक भी है और शास्त्र भी। भारतीय लोक कला की दृष्टि यह है कि उसके दृष्टिपथ से कुछ छूटे नहीं, यही दृष्टि भारत के लोक काव्य की भी है। जो कुछ लोक ने कहा, अनुभव किया वह काव्य हो गया और इसी अनुभूति ने जब तूलिका पकड़ी तो माण्डने बन गए, थापे बन गए और लोक के तमाम देवी-देवाला अपने लोक राग के साथ घरों की भित्तियों पर विराज गए। सब एक ही धरातल से उपजे हैं चाहे वह लोक हो, उसके शास्त्र हों या उसकी कला। इन तीनों में कहीं द्वंद्व नहीं है। लोक और शास्त्र में विरोध का इसलिए प्रश्न नहीं है क्योंकि शास्त्र लोक की ही देन है और यही स्थिति कला की भी है। भारतीय कला को लेकर प्रायः यह कहा जाता है कि भारतीय कला विशेष रूप से मध्यकालीन कला लोक का प्रतिनिधित्व नहीं करती, लेकिन यह सत्य नहीं है। राज्याश्रयी चितेरों और शिल्पियों ने भी अपने लोक को रचा है। उन संन्यासियों ने भी अपने लोक की सर्जना अपने अंकनों में की जो विहारों में रहते थे। लोक के राग से कोई वंचित नहीं रहा। चाहे अजंता हो, खजुराहो हो या माउंट आबू पर बनी मंदिर सरणी, इन सबमें लोक का अंकन है । माउंट आबू में एक मंदिर ऐसा भी है जिसे शिल्पियों ने अपने धन और अपने श्रम से बनाया है और खजुराहो के पाषाणों पर लोक व्यापार के अंकन वहाँ के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण अंकन हैं। खजुराहो के शिल्पों में भी अधिकांश शिल्प लोक व्यापार के शिल्प हैं। भारतीय कला का उद्गम अनादि है। आदि ग्रंथों में इसके प्रमाण हैं और फिर इसकी निरंतरता कभी विराम नहीं लेती । संदर्भ तो प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक रचे गए ग्रंथों में हैं । कालक्रम की दृष्टि से यदि देखा जाए तो भीमबेटका की गुफाओं में दस हज़ार वर्ष पूर्व किए गए आदिमानव के अंकनों से लेकर ईसा की दूसरी सदी में हुए शुंग वंश के समय के अश्वमेध के घोड़े का अंकन मौजूद है। सार रूप में कहा जा सकता है कि भारत में लोक से पृथक रूप से अस्मिता रखकर अपना अस्तित्व रचने वाली ऐसी कोई शिल्पांकन, स्थापत्य अथवा चित्रांकन की परंपरा नहीं रही, जिसमें लोक छूट गया हो।

(I) गद्यांश के आधार पर भारतीय कला के विषय में उचित कथन हैं : **1**

I. घरों की भित्तियों पर बने माण्डने और थापे लोक की कला के उत्कृष्ट नमूने हैं।

II. मध्यकाल की भारतीय कला लोक का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।

III. लोक और शास्त्र-कला के सभी रूप एक ही धरातल से उत्पन्न हुए हैं।

विकल्प:

(A) कथन I, II और III तीनों उचित हैं।

(B) कथन I और II उचित हैं।

(C) कथन II और III उचित हैं।

(D) कथन I और III उचित हैं।

(II) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : 1

कथन : भारतीय कला के भीतर लोक और शास्त्र में विरोध बिलकुल नहीं है।

कारण : यह लोक शास्त्र की देन और राग के साथ घरों की भित्तियों पर विराजमान है।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

(III) कालक्रम के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है ? 1

(A) अजंता, खजुराहो या माउंट आबू मध्यकालीन कला के प्रतिनिधि नहीं हैं।

(B) भीमबेटका की गुफाएँ ईसा की दूसरी सदी की हैं।

(C) शुंग वंश जो दस हज़ार वर्ष पूर्व हुआ उसमें भी अश्वमेध के घोड़े का अंकन है।

(D) खजुराहो की मध्यकालीन पाषाण कृत्तियों में बहुतायत लोक-व्यापार के शिल्प की है।

(IV) 'लोक-काव्य' क्या है? 1

(V) मध्यकालीन कला के विषय में क्या कहा जाता है और लेखक ने उसे सत्य क्यों नहीं माना है ? 2

(VI) प्राचीन सभ्यताओं की किन-किन कलात्मक विशिष्टताओं का उल्लेख लेखक करता है ? अपने शब्दों में लिखिए। 2

(VII) गद्यांश के आधार पर बताइए कि कैसे भारतीय कला, लोक और शास्त्र का संगम है। (उत्तर में उचित तर्क को उदाहरण के द्वारा पुष्ट कीजिए) 2

प्रश्न 2. निम्नलिखित कविता के अंश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **(08 अंक)**

वृद्धाएँ धरती का नमक हैं,
किसी ने कहा था !
जो घर में हो कोई वृद्धा
खाना ज्यादा अच्छा पकता है,
पर्दे-पेटीकोट और पायजामे भी दर्जी और
रफ़ूगरों के
मुहताज नहीं रहते,

सजा-धजा रहता है घर का हर कमरा,
बच्चे ज्यादा अच्छा पलते हैं,
उनकी नन्ही-मुन्नी उल्टियाँ सँभालती
जगती हैं वे रात-भर,
घुल जाती हैं बच्चों के सपनों में
हिमालय-विमालय की अतल कंदराओं की
दिव्यवर्णी-दिव्यगंधी जड़ी-बूटियाँ और
फूल-वूल !
उनके ही संग-साथ से भाषा में बच्चों की
आ जाती है एक अजब कौंध
मुहावरों, मिथकों, लोकोक्तियों,
लोकगीतों, लोकगाथाओं और कथा-समयकों की।
उनके ही दम से
अतल कूप खुद जाते हैं बच्चों के मन में
आदिम स्मृतियों के ।
रहती हैं वृद्धाएँ, घर में रहती हैं
लेकिन ऐसे जैसे अपने होने की खातिर हों
क्षमाप्रार्थी
लोगों के आते ही बैठक से उठ जातीं,
छुप-छुपकर रहती हैं छाया-सी, माया-सी !
पति-पत्नी जब भी लड़ते हैं उनको लेकर
कि तुम्हारी माँ ने दिया क्या, किया क्या-
कुछ देर वे करती हैं अनसुना,
कोशिश करती हैं कुछ पढ़ने की,
बाद में टहलने लगती हैं,
और सोचती हैं बेचैनी से – 'गाँव गए बहुत दिन हुए !'
उनके बस यह सोचने-भर से
जादू से घर में सब हो जाता है ठीक-ठाक,
सब कहते हैं, 'अरे, अभी कहाँ जाओगी,
अभी तो हमें जाना है बाहर, बच्चों को रखेगा
कौन ?'
कपड़ों की छाती जब फटती है
बढ़ जाती है उनकी उपयोगिता ।

(I) कविता का केंद्रीय भाव निम्नलिखित बिंदुओं से स्पष्ट होता है : 1

I. परिवार के बुजुर्गों के प्रति सम्मान और करुणा

II. उपयोगिता की दृष्टि से वृद्धाओं के महत्त्व पर ध्यान खींचना

III. महानगरीय जीवन की विसंगतियों की चर्चा

विकल्प:

(A) केवल I सही है।

(B) II और III सही हैं।

(C) I और III सही हैं।

(D) केवल III सही है।

(II) वृद्धाएँ अपने बच्चों के घरों में रहते हुए भी लोगों के आते ही बैठक से क्यों उठ जाती हैं ? 1

(A) वे उनके घरों में होने के लिए क्षमाप्रार्थी हैं।

(B) वे अपने बच्चों के बीच लड़ाई से शर्मिंदा होती हैं।

(C) वे अपनी उपस्थिति के प्रति सजग और संकोची हैं।

(D) उनको छुप-छुपकर रहना ही अच्छा लगता है।

(III) जब घर में कोई बुजुर्ग स्त्री हो तो खाना ज्यादा अच्छा पकता है – कहने का क्या आशय है ? 1

(A) बुजुर्ग स्त्रियाँ ही खाना पकाने की जानकार होती हैं।

(B) बुजुर्ग स्त्रियों की उपस्थिति से डर कर अच्छा खाना बनाना पड़ता है ।

(C) बुजुर्ग स्त्रियाँ अच्छा खाना ही खाती हैं, नहीं तो वे खाएँगी ही नहीं।

(D) बुजुर्ग स्त्रियों के पास पाक कला के गुर, धैर्य और संयम होता है।

(IV) कविता में 'पति-पत्नी' की लड़ाई का संदर्भ क्या है ? 1

(V) किसी परिवार में वृद्ध स्त्री की उपस्थिति परिवार की नई पीढ़ी को कैसे प्रभावित करती है ? काव्यांश से दो बिंदु अवश्य लिखिए। 2

(VI) घर की बोझिल और तनाव भरी स्थिति में वृद्धाएँ कौन-सा विचार करती हैं और उस विचार के प्रभावस्वरूप क्या होता है ? 2

खंड 'ख'

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(I) रेडियो और टेलीविज़न दोनों के एक रेखीय माध्यम होने पर भी दोनों में मूलभूत अन्तर क्या है ? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) 1

(II) स्तंभ लेखन के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) 2

(III) जन-संचार माध्यमों को समाचारों से अलग हटकर विविध क्षेत्रों या विषयों के बारे में भी जानकारी क्यों देनी पड़ती है ? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) 2

प्रश्न 4. निम्न में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- **3x2=6**

(क) रेडियो के लिए समाचार लेखन की अच्छी कॉपी में कौन-कौन से गुण अनिवार्य हैं ?

(ख) फ़ीचर लेखन की शैली समाचार लेखन की शैली से अलग होती है। पुष्टि कीजिए। (कोई तीन बिंदु

लिखिए)

(ग) अगर आप किसी 'बीट' के पत्रकार बनना चाहते हैं तो उसके लिए किस प्रकार की विशेषज्ञता चाहिए?

प्रश्न 5. निम्न में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए। **5x1=5**

(क) अगर विद्यालय की चारदीवारी न हो तब

(ख) मेले में बिताया एक दिन

(ग) जंगल सफारी के दौरान अचानक हाथियों के झुंड से घिर जाना

प्रश्न 6. निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- **3x2=6**

(क) नाटक लिखते समय मंचन की दृष्टि से किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए ?

(ख) 'संवाद नाटक के प्राण होते हैं', इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ग) कविता के प्रमुख घटकों और उन्हें सीखने की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए ।

खंड 'ग' (अंतरा भाग-2, अंतराल भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कर लिखिए- **1x5=5**

"मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हो भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

(I) कवि द्वारा स्वयं को 'भाग्यहीन' कहने का कारण नहीं हो सकता :

(A) युवावस्था में ही पुत्री की मृत्यु हो जाना

(B) पुत्री को जन्म देते ही पत्नी का देहावसान हो जाना

(C) पिता रूप में अपनी जिम्मेदारियों को न निभा पाना

(D) कवि रूप में साहित्य जगत में पहचान न मिल पाना

(II) प्रस्तुत पंक्तियों का मूल भाव क्या है ?

(A) करुणा

(B) वात्सल्य

(C) शांत

(D) भय

(III) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : कवि अपने कवि-कर्म पर वज्रपात होने की कामना कर रहा है।

कारण : कवि-कर्म में लीन रहने के कारण ही वह पितृ धर्म का पालन नहीं कर सका।

विकल्प :

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण उसकी उचित व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण उसकी उचित व्याख्या नहीं करता है।

(IV) कवि अपने सभी कार्यों के भ्रष्ट होने की तुलना किससे कर रहा है ?

(A) अतिशय बारिश में नष्ट हो चुके कमलों से

(B) सर्दी के प्रकोप से खराब हो चुके कमलों से

(C) वज्रपात होने के कारण खराब हो चुके कमलों से

(D) सर्दी के प्रकोप से नष्ट हो चुकी फ़सलों से

(V) उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर एक शोक-संतप्त पिता किन मनोभावों से घिरा हुआ दिखता है ?

I. वह अपने सभी अच्छे कर्मों को पुत्री के लिए अर्पित कर रहा है।

II. कवि-कर्म पर वज्रपात हो ऐसी कामना कर रहा है।

III. दुख की इस घड़ी में धर्म-अधर्म का अंतर भूल जाना चाहता है।

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों

(B) I और II दोनों

(C) I और III दोनों

(D) II और III दोनों

प्रश्न 8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए- **2x2=4**

(क) देवसेना के जीवन-संघर्ष को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) जायसी की नायिका नागमती की कौन-सी चारित्रिक विशेषताएँ उभर कर आती हैं ? पठित पदों के आधार पर उल्लेख कीजिए।

(ग) 'यह दीप अकेला' व्यष्टि और समष्टि के अंतर्संबंधों का काव्य है। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9. निम्नलिखित काव्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6x1=6

(क)

भूपति मरन पेम पनु राखी । जननी कुमति जगतु सबु साखी ॥
देखि न जाहिं बिकल महतारीं। जरहिं दुसह जर पुर नर नारीं ॥
महीं सकल अनरथ कर मूला । सो सुनि समुझि सहिउँ सब सूला ॥
सुनि बन गवनु कीन्ह रघुनाथा । करि मुनि बेष लखन सिय साथा ॥
बिन पानहिन्ह पयादेहि पाएँ। संकरु साखि रहेउँ ऐहि घाएँ ।
बहुरि निहारि निषाद सनेहू । कुलिस कठिन उर भयउ न बेहू ॥
अब सबु आँखिन्ह देखेउँ आई। जिअत जीव जड़ सबइ सहाई ॥
जिन्हहि निरखि मग साँपिनि बीछी । तजहिं बिषम बिषु तापस तीछी ॥
तेइ रघुनंदनु लखनु सिय अनहित लागे जाहि ।
तासु तनय तजि दुसह दुख दैउ सहावइ काहि ॥

अथवा

(ख)

मैंने देखा
एक बूँद सहसा
उछली सागर के झाग से रंग गई क्षणभर
ढलते सूरज की आग से।
मुझ को दीख गयाः
सूने विराट् के सम्मुख
हर आलोक-छुआ अपनापन
है उन्मोचन
नश्वरता के दाग से!

प्रश्न 10. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कर लिखिए- 1x5=5

मैं सेवाग्राम में लगभग तीन सप्ताह तक रहा। अकसर ही प्रातः उस टोली के साथ हो लेता। शाम को प्रार्थना सभा में जा पहुँचता, जहाँ सभी आश्रमवासी तथा कस्तूरबा एक ओर को पालथी मारे और दोनों हाथ गोद में रखे बैठी होतीं और बिलकुल मेरी माँ जैसी लगतीं।

उन दिनों एक जापानी 'भिक्षु' अपने चीवर वस्त्रों में गांधी जी के आश्रम की प्रदक्षिणा करता। लगभग मीलभर के घेरे में, बार-बार अपना 'गाँग' बजाता हुआ आगे बढ़ता जाता। गाँग की आवाज हमें दिन में अनेक बार, कभी एक ओर से तो कभी दूसरी ओर से सुनाई देती रहती। उसकी प्रदक्षिणा प्रार्थना के वक्त समाप्त होती, जब वह प्रार्थना-स्थल पर पहुँचकर बड़े आदरभाव से गांधी जी को प्रणाम करता और एक ओर को बैठ जाता।

(I) 'प्रदक्षिणा' से क्या आशय है?
(A) एक स्थान पर नाचना

(B) परिक्रमा करना
(C) पराक्रम दिखाना
(D) रूप परिवर्तन करना

(II) लेखक को किसमें अपनी माँ की झलक दिखाई पड़ती थी?
(A) गांधी जी में
(B) भिक्षुक में
(C) कस्तूरबा गांधी में
(D) आश्रमवासी में

(III) गद्यांश में 'गाँग' का अर्थ है :
(A) एक प्रकार का वाद्य यंत्र
(B) एक जादुई छड़ी
(C) गांधी जी की लाठी
(D) सेवाग्राम का घंटा घर

(IV) प्रदक्षिणा का पथ लगभग कितना लंबा था ?
(A) मील भर
(B) पाँच किलोमीटर
(C) कोस भर
(D) कुछ मीटर भर

(V) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :
कथन : भिक्षु की प्रदक्षिणा गांधी जी को प्रणाम करने के बाद ही समाप्त होती थी।
कारण : वह गांधी जी के व्यक्तित्व से प्रभावित था तथा उसके मन में उनके प्रति आदरभाव था।
विकल्प :
(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए- **2x2=4**
(क) हरगोबिन एक संवदिया था पर उसने अपना काम पूरा नहीं किया । 'संवदिया' कहानी के आधार पर लिखिए कि उसने ऐसा क्यों किया।
(ख) 'लेखक का सेवाग्राम जाने के पीछे क्या औचित्य था? 'गांधी, नेहरू, यास्सेर अराफ़ात' पाठ के आधार

पर लिखिए।

(ग) 'प्रेमघन' के व्यक्तित्व की सामंती प्रवृत्तियों को सोदाहरण सामने रखिए।

प्रश्न 12. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **6x1=6**

(क)

पुर्जे खोलकर फिर ठीक करना उतना कठिन काम नहीं है, लोग सीखते भी हैं, सिखाते भी हैं, अनाड़ी के हाथ में चाहे घड़ी मत दो पर जो घड़ीसाज़ी का इम्तहान पास कर आया है उसे तो देखने दो। साथ ही यह भी समझा दो कि आपको स्वयं घड़ी देखना, साफ़ करना और सुधारना आता है कि नहीं। हमें तो धोखा होता है कि परदादा की घड़ी जेब में डाले फिरते हो, वह बंद हो गई है, तुम्हें न चाबी देना आता है न पुर्जे सुधारना तो भी दूसरों को हाथ नहीं लगाने देते इत्यादि ।

अथवा

(ख)

शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक 'मर्चेंट ऑफ़ वेनिस' में पोर्शिया अपने वर को बड़ी सुंदर रीति से चुनती है। बबुआ हरिश्चंद्र के 'दुर्लभ बंधु' में पुरश्री के सामने तीन पेटियाँ हैं, एक सोने की, दूसरी चाँदी की, तीसरी लोहे की। तीनों में (से) एक में उसकी प्रतिमूर्ति है। स्वयंवर के लिए जो आता है उसे कहा जाता है कि इनमें से एक को चुन ले। अकड़बाज सोने को चुनता है और उलटे पैरों लौटता है। लोभी को चाँदी की पिटारी अंखूठा दिखाती है। सच्चा प्रेमी लोहे को छूता है और घुड़दौड़ का पहिला इनाम पाता है। ठीक ऐसी ही लाटरी वैदिक काल में हिंदुओं में चलती थी।

प्रश्न 13. निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए- **5x2=10**

(क) 'गाँव में ऋतु परिवर्तन अधिक स्पष्ट रूप से पहचाना जाता है।' 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर सोदाहरण इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(ख) 'भैरों की बहुरिया सुभागी पर जगधर नजर भी रखता था' क्या आज भी जगधर जैसे लोग हमारे आस-पास मौजूद हैं? ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिए आज हमने कौन-से उपाय अपनाने चाहिए, स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'सूरदास में सरलता भी है और व्यावहारिक चतुराई भी' 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर इस दृष्टि से उसके व्यक्तित्व का विश्लेषण कीजिए।